MAHARSHI DAYANAND SARASWATI UNIVERSITY, AJMER

पाठ्यक्रम

SYLLABUS

SCHEME OF EXAMINATION AND COURSES OF STUDY

FACULTY OF ARTS

P.G. Diploma in Sindhi Bhasha and Sahitya
(w.e.f. 2016-17)

महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

NOTICE

1. Change in Statutes/Ordinances/Rules/Regulations Syllabus and Books may, from time to time, be made by amendment or remaking, and a candidate shall, except in so far as the University determines otherwise comply with any change that applies to years he has not completed at the time of change. **The decision taken by the Academic Council shall be final.**

सूचना

1. समय–समय पर संशोधन या पुनः निर्माण कर परिनियमों/ अध्यादेशों/नियमों / विनियमों / पाठ्यक्रमों व पुस्तकों में परिवर्तन किया जा सकता है, तथा किसी भी परिवर्तन को छात्र को मानना होगा बशर्तें कि विश्वविद्यालय ने अन्यथा प्रकार से उनको छूट न दी हो और छात्र ने उस परिवर्तन के पूर्व वर्ष पाठ्यक्रम को पूरा न किया हो। **विद्या परिषद द्वारा लिये गये निर्णय अन्तिम होंगे।**

सिन्धी भाषा और साहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

इस पाठ्यक्रम में भारत के किसी भी विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि प्राप्त विद्यार्थी प्रवेश लेने के पात्र होंगे।

पाठ्यक्रम चार सैद्धांतिक प्रश्न पत्रों में विभक्त हैं–प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंकों का होगा, कोर्स अवधि एक वर्ष होगी। वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी।

प्रश्न पत्र–

1.	सिन्धी भाषा का इतिहास–	100 अंक
2.	सिन्धी साहित्य का प्राचीन व माध्यकालीन इतिहास–	100 अंक
3.	सिन्धी साहित्य का आधुनिक कालीन गद्य का इतिहास–	100 अंक
4.	सिन्धी साहित्य का आधुनिक कालीन पद्य का इतिहास–	100 अंक

प्रत्येक प्रश्न पत्र में न्यूनतम उत्तीर्णांक 25% एवं एग्रीगेट 36% होना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न पत्र में 20–20 अंकों के 5 प्रश्न पूछे जायेंगे।

प्रथम प्रश्न पत्र –सिन्धी भाषा का इतिहास

:: सिन्धी ॿोलीअ जो ॿुण–बुनियाद ऐं औसर
:: भाषाउनि जा कुटम्ब ऐं सिन्धी ॿोली
:: भारतीय आर्य भाषाउनि जो विकास
:: आर्य भाषा जी प्राचीन मंज़िल
:: आर्य भाषा जी विचीं मंज़िल
:: आर्य भाषा जी नईं मंज़िल
:: सिन्धी भाषा ते ॿियनि ॿोलियुनि जो असरु
:: सिन्धीअ जूं उपभाषाऊं
:: भारत में सिन्धी ॿोलीअ जो आईंदो

द्वितीय प्रश्न पत्र –सिन्धी साहित्य का प्राचीन एवं मध्यमकालीन इतिहास

(8 ईस्वी सदीअ खां 1500 ई. सन् ताईं)

:: संस्कृत, प्राकृत अपभ्रश दौर जो सिन्धु जो साहित्य
:: अवाइली दौर जे सिन्धी साहित्य जूं धाराऊं
:: इश्क जा किस्सा
:: सूह्माईअ जा किस्सा
:: युद्ध वीरता जा किस्सा
:: दानवीरता जा किस्सा
:: धर्मी ड॒ंद कथाऊं
:: सिन्धू नदीअ जे वहिकरे बाबत ड॒ंद कथाऊं

विचों दौर– (1500 ईस्वी सन् खां 1853 ई. सन् ताईं)

:: विचें दौर में काव्य जूं धाराऊं

:: सूफ़ी काव्य धारा ऐं मुख्य सूफ़ी शाइर
:: काज़ी कादन–
शाहु अब्दुल करीम बुलिड़ीअ वारो
शाहु इनायत रिज़वी
शाहु अब्दुल लतीफ़
सचल सरमस्त
:: ज्ञान मार्गी काव्य धारा–
वेदान्त मत ऐं ज्ञान मार्गी काव्य धारा जा सन्त, कवि, सामी ऐं दलपत
:: कला पक्ष
नतीजा

तृतीय प्रश्न पत्र – सिन्धी साहित्य का आधुनिक कालीन गद्य का इतिहास

नसुर जो दौर (1853 ई. खां वठी हलंदड़ु)

:: भारत सरकार जो लिपीअ जे बारे में फैसिलो
:: सिन्धी नसुर में अवाइली कोशशूं
:: अखबारूं ऐं अदबी रसाला
:: सिन्धी कहाणीअ जो विकास
:: सिन्धी उपन्यास जो विकास
:: सिन्धी नाटक जो विकास
: सिन्धी मज़मून ऐं आलोचना जो विकास
: नसुर जूं बियूं सुफूं– जीवनी, आत्म कथा ऐं सफरनामो

चतुर्थ प्रश्न पत्र – सिन्धी साहित्य का पद्य का इतिहास

: 1853 खां 1914 ताईं
:: पार्सी शइर जे नकुल जी लहर
:: सूफ़ी ऐं ज्ञानमार्गी काव्य धारा
:: सुधड़नि जी शाइरी
:: 1914 खां 1947 ताईं
:: 1947 खां अजु ताईं

पाठ्य पुस्तकें–

सिन्धी साहित्य जो इतिहास– लेखक: डॉ. मुरलीधर जेटले

प्रकाशक : सिन्धी वैलफेयर सोसाइटी– 2–जी, राजपाल प्लाज़ा कानपुर रोड, लखनऊ–226005

सिन्धी बोली ऐं अदब जी तारीख: कन्हैयालाल लेखवाणी, सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इण्डियन लैंग्वेजेज, मैसूर

□□□